



भारत माता की आरती



आरती भारत माता की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

आरती भारत माता की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

मुकुटसम हिमगिरिवर सोहे,
चरण को रत्नाकर धोए,
देवता कण-कण में छाये,
वेद के छंद, ज्ञान के कंद,
करे आनंद,

सस्यश्यामल ऋषिजननी की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

आरती भारत माता की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

जगत से यह लगती न्यारी,
बनी है इसकी छवि प्यारी,
कि दुनिया झूम उठे सारी,
देखकर झलक, झुकी है पलक,
बढ़ी है ललक,

कृपा बरसे जहाँ दाता की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

आरती भारत माता की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

पले जहाँ रघुकुल भूषण राम,
बजाये बंसी जहाँ घनश्याम,
जहाँ पग-पग पर तीरथ धाम,
अनेको पंथ, सहस्रों संत,
विविध सद्ग्रंथ,
सगुण-साकार जगन्माँ की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

आरती भारत माता की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

गोद गंगा-जमुना लहरे,
भगवा फहर-फहर फहरे,
तिरंगा लहर-लहर लहरे
लगे हैं घाव बहुत गहरे,
हुए हैं खण्ड, करेंगे अखण्ड,
यत्न कर चण्ड,
सर्वमंगल वत्सल माँ की,
जगत के भाग्य विधाता की ॥

आरती भारत माता की,
जगत के भाग्य विधाता की॥

बढ़ाया है संतों ने सम्मान,
किया वीरों ने जीवनदान,
हिंदुत्व में निहित है प्राण,
चलेंगे साथ, हाथ में हाथ,
उठाकर माथ,
शपथ गीता गौमाता की,
जगत के भाग्य विधाता की॥

आरती भारत माता की,
जगत के भाग्य विधाता की॥

1

¹ सौजन्य से:

धर्मयात्रा (DharmYaatra)

वेबसाइट: <https://dharmyaatra.in/>

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🙏, धार्मिक कथाएं ॐ, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🏰, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🍵, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🎉, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं 🌀 (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

[व्हाट्सऐप ग्रुप](#)

[व्हाट्सऐप चैनल](#)

[फेसबुक पेज](#)

[इंस्टाग्राम प्रोफाइल](#)

धर्मयात्रा

DharmYaatra